भू-जल संरक्षण के माध्यम से वनों की उत्पादकता बढ़ाने कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला का आयोजन व्याख्यान केन्द्र हिनौता, पन्ना टाइगर रिजर्व एवं अजयगढ़ क्षेत्र में किया गया

नवभारत न्यूज

पन्ना, 07 मई। मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग, पन्ना द्वारा भूजल संरक्षण कार्यों के माध्यम से वनों की उत्पादकता बढ़ाने विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन गत दिवस किया गया। कार्यशाला का आयोजन व्याख्यान केन्द्र, हिनौता, पन्ना टाइगर रिजर्व एवं अजयगढ़ क्षेत्र में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वनों एवं नदी तटों में भूजल संरक्षण कार्यों की आवश्यकता, संरचनाओं के वैज्ञानिक निर्माण, रखरखाव एवं जल संवर्धन संबंधी तकनीकी जानकारी प्रदान करना था।

कार्यशाला के प्रथम दिवस में विषय विशेषज्ञ आर. के. श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त पी.सी.सी.एफ.) द्वारा भूजल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उन्होंने प्रसिद्ध जल संरक्षण विशेषज्ञ अनुपम मिश्र द्वारा लिखित पुस्तक आज भी खरे हैं तालाब का उल्लेख करते हुए जल संरक्षण की पारंपरिक पद्धतियों एवं जनभागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदाय की सहभागिता से ही जल संरक्षण के प्रयास प्रभावी एवं दीर्घकालीन बनाए जा सकते हैं।

कार्यक्रम में बी. आर. फूकन (रिसर्चर) द्वारा वन क्षेत्रों में निर्मित जल संरचनाओं की जल गुणवत्ता का आकलन विषय पर जानकारी दी गई। उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण की विभिन्न विधियों जैसे सैंपल कलेक्शन, पीएच स्तर जांच आदि के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही वन क्षेत्रों में निर्मित जल संरचनाओं एवं जलाशयों के प्रभावी प्रबंधन हेतु नियमित मॉनिटरिंग, वेस्ट मैनेजमेंट एवं कम्युनिटी अवेयरनेस प्रोग्राम जैसे उपायों पर भी चर्चा की गई।

इसी क्रम में रवीन्द्र सिंह, सेवानिवृत्त सहायक वन संरक्षक द्वारा भूजल संरक्षण हेतु निर्मित की जाने वाली विभिन्न संरचनाओं जैसे कंटूर ट्रेंच, बंड्स एवं परकोलेशन टैंक आदि के निर्माण एवं उपयोगिता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर भूजल स्तर में वृद्धि की जा सकती है तथा वन क्षेत्रों की उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस में सेवानिवृत्त पी.सी.सी.एफ. आर. के. श्रीवास्तव द्वारा अजयगढ़ क्षेत्र में फील्ड विजिट किया गया। इस दौरान मौके पर निर्मित पारंपरिक तालाबों के पुनर्जीवन (रिजुविनेशन) के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी गई तथा नए परकोलेशन टैंक एवं तालाब निर्माण संबंधी आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

इन्होंने की सहभागिता

फील्ड भ्रमण के दौरान कंटूर ट्रेंच निर्माण संबंधी तकनीकी बिंदुओं जैसे भूमि की ढाल, जल प्रवाह की दिशा एवं स्थल चयन आदि का विशेष ध्यान रखने के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक, छतरपुर वृत्त नरेश सिंह यादव, डीएफओ दक्षिण पन्ना अनुपम शर्मा, डीएफओ उत्तर पन्ना धीरेंद्र प्रताप सिंह, आईएफएस, उपवनमंडलाधिकारी विश्रामगंज अंशुल तिवारी, उपवनमंडलाधिकारी पन्ना कृष्णा मरावी, एसीएफ प्रशिक्षु प्रभांशु कमल मिश्रा, वनपरिक्षेत्राधिकारी पन्ना अजय बाजपेयी, वनपरिक्षेत्राधिकारी अजयगढ़ पंकज दुबे, वनपरिक्षेत्राधिकारी धरमपुर वैभव सिंह चंदेल, वनपरिक्षेत्राधिकारी विश्रामगंज नितिन राजौरिया, वनपरिक्षेत्राधिकारी देवेन्द्रनगर शुभम तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लीड कॉलेज के प्राचार्य ने महाविद्यालयों में प्रवेश व्यवस्थाओं की समीक्षा की

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एवं लीड महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. डी. चतुर्वेदी द्वारा पन्ना जिले के शासकीय महाविद्यालय के अलावा वैष्णो माता महाविद्यालय पन्ना का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय में संचालित हेल्प डेस्क की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों को दी जा रही प्रवेश संबंधी जानकारी की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डॉ. चतुर्वेदी ने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की एवं प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित व्यवस्थाओं पर चर्चा की। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्टाफ को मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी नवीन प्रवेश निर्देशों की जानकारी देते हुए समय-सीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ना शासन की प्राथमिकता है। इसके लिए हेल्प डेस्क के माध्यम से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

विधायक के प्रयास से मिढ़ासन नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए टीम गठित

विधायक के प्रयास हो रहे साकार

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। गुनौर विधानसभा क्षेत्र की जीवनदायिनी मिढासन नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन को लेकर विधायक राजेश कुमार वर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयास अब साकार होते दिखाई देने लगे हैं। इसी क्रम में आज एनवायरमेंट प्लानिंग एवं कॉर्डिनेशन ऑर्गनाइजेशन, मध्यप्रदेश शासन की टीम द्वारा नदी एवं उसके उद्गम स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण दल में वास्तुविद, सहायक वैज्ञानिक अधिकारी एवं उपयंत्री सहित जल संसाधन विभाग पन्ना, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पन्ना तथा राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। अधिकारियों ने देवेन्द्रनगर बांध से लेकर मरहा बड़ागांव स्थित अग्नि जिव्हा मुनि आश्रम होते हुए नदी के विभिन्न स्थानों का विस्तृत मौका निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नदी संरक्षण, जल संचयन, जल प्रवाह बनाए रखने तथा उद्गम स्थल के संवर्धन एवं विकास को लेकर विभिन्न संभावनाओं पर विचार किया गया। अधिकारियों ने नदी के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखने एवं वर्षभर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक योजनाओं के प्रारंभिक बिंदुओं का अध्ययन किया। विधायक राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि मिढासन नदी गुनौर विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए जीवनरेखा के समान है।

गर्मी में भी गुलजार टाइगर रिजर्व, भारतीयों के साथ विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारी इजाफा, आय में भी वृद्धि

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। प्राकृतिक मनोरम दृश्यों सहित वन्य प्राणियों से पर्याप्त संख्या से परिपूर्ण पन्ना टाइगर रिजर्व में इस भीषण गर्मी के बावजूद पर्यटकों से गुलजार है। जिसमें देशी एवं विदेशी दोनो कैटेगिरी के पर्यटकों में भारी इजाफा हुआ है जिसके कारण आय में भी वृद्धि हुई है।

फील्ड डायरेक्टर पन्ना टाइगर रिजर्व ब्रजेन्द्र श्रीवास्तव के निर्देशन एवं डिप्टी डायरेक्टर वीरेन्द्र पटेल के मार्ग दर्शन में पन्ना टाइगर रिजर्व वन्य-जीव पर्यटन के मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है। लगातार हो रही बाघों की साइटिंग से पन्ना टाइगर रिजर्व पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। वर्ष 2021-22 में भारतीय पर्यटकों की संख्या 1 लाख 73 हजार 982 थी, वहीं वर्ष 2022-23 में पर्यटकों की संख्या बढ़कर 2 लाख 19 हजार 234 हो गई। वर्ष 2023-24 में 2 लाख 21 हजार 505 और वर्ष 2024-25 में पर्यटकों की संख्या बढ़कर 2 लाख 60 हजार 570 पहुंच गई।

विदेशी पर्यटकों की संख्या भी हुई दोगुना - पन्ना टाइगर रिजर्व का नैसर्गिक सौंदर्य दुनियाभर के पर्यटकों को लुभा रहा है। पांच साल में टाइगर रिजर्व पहुंचने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़कर दोगुना हो गई है। वर्ष 2021-22 में जहां 522 विदेशी पर्यटक ही टाइगर रिजर्व पहुंचे। वहीं वर्ष 2024-25 में 15300 विदेशी पर्यटकों ने पन्ना टाइगर रिजर्व में उपस्थिति दर्ज कराई।

आय बढ़कर हुई दोगुना - पर्यटकों की संख्या बढ़ने से पन्ना टाइगर रिजर्व की आय में भी वृद्धि हो रही है। पांच साल में पन्ना टाइगर रिजर्व की आय भी बढ़कर दोगुना हो गई है। पांच साल पहले वर्ष 2021-22 पन्ना टाइगर रिजर्व की आय 3 करोड़ 44 लाख 90 हजार 945 रुपए थी। जो कि वर्ष 2024-25 में बढ़कर 6 करोड़ 92 लाख 81 हजार 587 रुपए हो गई।

बाघों की अच्छी साइटिंग से बढ़ रहे पर्यटक- टाइगर रिजर्व के कुशल प्रबंधन के कारण इन दिनों शावकों सहित 100 से अधिक बाघ टाइगर रिजर्व में हैं। इससे इनकी साइटिंग भी अच्छी हो रही है। पर्यटकों को हर दिन बाघ देखने को मिल ही जाते हैं। इस पर्यटन सीजन में एक दर्जन से अधिक शावक आकर्षण का केंद्र बने हुए थे। वनस्पतियों की दुर्लभ प्रजातियां और केन का किनारा भी लुभा रहा है।

साल-दर-साल बढ़े पर्यटक और आय पर एक नजर

पर्यटन वर्ष	पर्यटक	कुल आय
2021-22	173982	34490945
2022-23	226322	47793745
2023-24	234043	59746372
2024-25	275870	69281587

इस साल गर्मी में भी आ रहे पर्यटक

पर्यटन माह	पर्यटक	कुल आय
जनवरी	31536	1,02,57,255
फरवरी	21349	1,11,73,981
मार्च	23911	1,11,61,120
अप्रेल	15653	85,50,390

इनका कहना है

देश के साथ विदेशी सैलानियों की सुविधाओं का ख्याल रखा जा रहा है। टीम नियमित निगरानी भी कर रही है, जिससे पर्यटकों को असुविधा नहीं हो। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार को भी बढ़ावा मिल रहा है।

वीरेन्द्र पटेल, उप संचालक पन्ना टाइगर रिजर्व

लगन चढ़ाकर लौट रहे फूफा एवं चाचा की सड़क हादसे में मौत

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। पन्ना जिले के पवई क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे ने शादी वाले घर की खुशियों को मातम में बदल दिया। पवई-जगदीशपुर मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से ऑटो सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसा 6 और 7 मई की दरमियानी रात का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, टेढ़ी मंझौली (द्वारी) गांव निवासी मोना आदिवासी की शादी 8 मई को तय थी। शादी की रस्मों के तहत 6 मई को परिवार के सदस्य ऑटो में सवार होकर जगदीशपुर गांव बेटी का लगुन लेकर गए थे। पारंपरिक रस्म पूरी करने के बाद परिवार देर रात वापस अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान पवई-जगदीशपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर ने ऑटो को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दुल्हन मोना आदिवासी के फूफा संतू आदिवासी उम्र 35 वर्ष, निवासी थाना सिंहपुर क्षेत्र, को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं दुल्हन के चाचा खेतैया आदिवासी उम्र 65 वर्ष ने जिला चिकित्सालय पन्ना में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं घटना में मोना आदिवासी के एक अन्य चाचा मंगल आदिवासी उम्र 32 वर्ष गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

कलेक्टर ने पवई एवं शाहनगर में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं ली समीक्षा बैठक

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। कलेक्टर ऊषा परमार ने कहा है कि प्रत्येक गांव में हर गर्भवती महिला का एएनसी पंजीयन एवं आवश्यक जांच समय पर सुनिश्चित हो। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाए।

समयबद्ध रूप से स्वास्थ्य विभाग की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ भी आम जनता एवं हितग्राहियों को मिले। जिला कलेक्टर ने गुरूवार को पवई एवं शाहनगर विकासखंड में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में उक्ताशय के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी सहित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.पी. तिवारी, एसडीएम समीक्षा जैन एवं रामनिवास चैधरी, तहसीलदार रत्नराशि पाण्डेय एवं कोमल सिंह, बीएमओ डॉ. सर्वेश लोधी एवं परियोजना अधिकारी राजकुमारी सिंह भी उपस्थित रहीं। कलेक्टर श्रीमती परमार ने कहा कि विभागीय योजनाओं में कार्ययोजना मुताबिक मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन किया जाए। समय पर लक्ष्यपूर्ति का प्रयास भी करें। सभी अधिकारी-कर्मचारी गंभीरतापूर्वक दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की सफलता में आशा एवं एएनएम का महत्वपूर्ण योगदान है। एएनसी पंजीयन एवं जांच व समय-समय पर घर-घर संपर्क कर फॉलोअप गतिविधियों के माध्यम से निश्चित ही मातृ-शिशु मृत्यु दर पर रोकथाम लगेगी। उन्होंने मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा निरंतर संपर्क के जरिए महिलाओं को स्तनपान एवं पोषण के महत्व से अवगत कराने की सलाह दी।

प्रभारी डीईओ ने ली समीक्षा बैठक

योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार तलैया ने गुरूवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पन्ना में समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर गत 15 अप्रैल को घोषित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा परिणाम के संबंध में स्कूल प्राचार्यों के साथ आवश्यक चर्चा की गई।

साथ ही 50 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाली शालाओं के प्राचार्यों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने तथा 40 प्रतिशत से कम परिणाम वाले संस्था प्रमुखों के विरूद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए। इस दौरान आगामी बैठक में कक्षावार एवं विषयवार परीक्षा परिणाम की समीक्षा के संबंध में ताकीद कर न्यून अथवा संतोषजनक रिजल्ट नहीं रहने पर संबंधित शिक्षकों की जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में विद्यालयों में नवीन सत्र के एक माह पूर्ण होने के बावजूद कम नामांकन पर असंतोष व्यक्त किया गया। आगामी दिवसों में शत प्रतिशत नामांकन अतिशीघ्र पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राचार्यों को समय सीमा में नामांकन कार्य पूर्ण नहीं करने पर कार्यवाही के संबंध में चेताया। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत स्कूलों में पानी टंकियों की साफ-सफाई के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए गए।

सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा में छात्रवृत्ति से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण, छात्र-छात्राओं को प्रवेश के समय निःशुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण, निःशुल्क साईकिल वितरण, छात्रवृत्ति वितरण, न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण, अनुरक्षण व मरम्मत कार्य, राज्य से प्राप्त फर्नीचर सामग्री, विज्ञान प्रशिक्षण में अनुपस्थित शिक्षकों एवं जिले में संचालित व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की भी गहनता से समीक्षा की गई।

इंद्रा ज्योति अभियान यात्रा का उद्देश्य असली रामराज की कल्पना है : रोकड़े

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। इंद्र ज्योति यात्रा विभिन्न जिलों से होते हुए पन्ना पहुंची। पन्ना पहुंचकर यात्रा प्रमुख भास्कर राव रोकड़े ने संविधान निर्माता बाबा साहब की मूर्ति पर माला अर्पण किया, तत्पश्चात गांधी चैक में पूज्य बापू को माला अर्पण करते हुए नमन किया।

यात्रा आगे बढ़ी और जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंची जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए गुरुजी भास्कर राव रोकड़े ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य वर्तमान समय में जो परिस्थित चल रही हैं तथा आम लोगों को धर्म जाति वर्ग के आधार पर बांटा जा रहा है उसे बचाना है तथा लोगों को रामराज की सही संकल्पना से लोगों को अवगत कराना है।

आज बेरोजगार दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं कोई रोजगार नहीं मिल रहे हैं वर्तमान सरकारों द्वारा सभी काम ठेके पर दिए जा रहे हैं ठेकेदार युवाओं का शोषण कर रहे हैं दिन-रात मेहनत करने के बाद 8000 से 10000 रुपया देकर युवाओं का शोषण कर रहे हैं अधिकांश सरकारी कार्य भी ठेकेदारों को दे दिए गए हैं वर्तमान सरकार राम के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है तथा लोगों के अंदर नफरत फैला रही है इस नफरत को खत्म करने के लिए इंदिरा ज्योति यात्रा हमारे द्वारा निकल जा रही है जो प्रदेश के सभी जिलों में जाएगी तथा लोगों को असली रामराज की कल्पना से अवगत कराएगी।

लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए 9 को लगेगी नेशनल लोक अदालत

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 9 मई शनिवार को समस्त जिला न्यायालय एवं तहसील के व्यवहार न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का वृहद स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। नागरिकों के कल्याण और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

नेशनल लोक अदालत में नागरिकों को विशेष सुविधा प्रदान करते हुए संपत्ति कर, जल कर एवं अन्य उपभोक्ता कर के लंबित प्रकरणों में देय अधिभार (सरचार्ज) पर 100 प्रतिशत तक की अभूतपूर्व छूट प्रदान की जा रही है। योजना के प्रावधानों के अंतर्गत 50 हजार रुपए तक के संपत्ति कर और 10 हजार रुपए तक के जल कर की बकाया राशि वाले प्रकरणों में सरचार्ज पूर्णतः माफ किया जाएगा। इससे अधिक की बकाया राशि होने पर निर्धारित स्लैब के अनुरूप सरचार्ज में 25 से 75 प्रतिशत तक की रियायत का प्रावधान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 तक की बकाया राशि पर यह विशेष छूट वन टाइम सेटलमेंट के रूप में देय होगी।

इस योजना का लाभ प्राप्त करने वाले नागरिकों को छूट के उपरांत शेष राशि अधिकतम दो आसान किश्तों में जमा करने की सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन ही जमा करना अनिवार्य होगा। सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस नेशनल लोक अदालत में सहभागिता कर अपने लंबित प्रकरणों का निराकरण करवाएं और शासन द्वारा प्रदाय की जा रही इस विशेष छूट का अधिकतम लाभ उठाएं।

औचित्यहीन साबित हो रहे हैं सरकारी नंबर, उपयोगकर्ताओं द्वारा की जा रही उपेक्षा

नवभारत न्यूज

पन्ना 07 मई। संचार क्रांति में मोबाइल की सुविधा आमजन से जोड़ने के लिए सशक्त माध्यम मानी जा रही है। जबसे सबके हाथ में मोबाइल आ चुका है देश और दुनिया की दूरी बहुत कम समय मे मापी जा सकती है। देश में संचार क्रांति का उदय आज से दो दशक पहले देश की पहली दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल मोबाइल नंबर प्रदाय किये गये। लिहाजा सरकारी दूरसंचार कंपनी ने सरकारी महकमे मे ग्रुप बनाकर मोबाइल नंबरों का एलाट किया।

सरकार की मंशानुसार तकरीबन सभी विभागों में अलग अलग ग्रुप के मोबाइल नंबर प्रदान किये गये ताकि प्रशासन के काम मे किसी प्रकार की असुविधा न हो और आम जनता सीधे प्रशासन के संपर्क में बनी रहे। लेकिन निगरानी के अभाव में जिम्मेदार अधिकारियों के फोन नंबर अक्सर बंद पाये जाते हैं या फिर उन्हें रिसीव नहीं किया जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब सरकार द्वारा प्रमुखता से नंबर प्रदाय किये गये तो उन्हें रिसीव क्यों नहीं किया जाता। जवाबदारी से मुकर रहे अधिकारी दरअसल सरकारी नंबरों को सार्वजनिक किया जा चुका है ताकि आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमंद लोग सीधे प्रशासन से बात कर सके। इस काम को अधिकारियों ने कितना तवज्जों दिया है लगभग यह सभी जानते होंगे। किसी प्रकार का जवाब न देना पड़े इसीलिए सरकारी मोबाइल नंबरों को आउट ऑफ सर्विस कर दिया जाता है। अपनी जवाबदारी से मुकर रहे अधिकारियों को यह पता नहीं होता कि संबंधित जरूरतमंद किसी आफत में पड़ा होगा। कभी कभी इस लापरवाही से बड़े हादसे हो जाते हैं। बाद में अधिकारी द्वारा मनगढ़त सफाई देकर पल्ला झाड़ लिया जाता है।

सरकारी नंबरों का निजी उपयोगः- उल्लेखनीय होगा कि सरकारी नंबरों के अलावा फोन भी उपलब्ध कराये गये हैं लेकिन सरकारी पैसे पर मिलने वाला बैलेंस निजी उपयोग में खर्च कर उन्हें बंद कर दिया जाता हैं। यहां पर बता दे अधिकारियों से लेकर जिम्मेंदार विभाग प्रमुखों के पास दो मोबाइल उपलब्ध मिल जाएंगे। जानकार बताते हैं कि एक मोबाइल ने अपना व्यक्तिगत नंबर चालू किया जा रहा है और दूसरे में सरकारी सिम चालू रहती है। यही वजह है कि जब भी कोई जरूरतमंद संबंधित अधिकारी से संपर्क करना चाहता है तो उसे अनदेखा कर दिया जाता है क्यों कि अपने चहेतों को अधिकारियों द्वारा व्यक्गित नंबर दिया गया है। जाहिर सी बात है कि खास आदमी व्यक्तिगत नंबर पर भी ही संपर्क करेगा। इसीलिए सरकारी नंबर उपयोग में नहीं आ रहा है।

तो बंद नहीं कर दिये जाते सरकारी नंबरः- सबसे पहले हम आपको बता दे कि सरकारी मोबाइल नंबरों को प्रमुख विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों को सरकारी नंबर प्रदाय किये गये हैं। लेकिन लापरवाही के चलते ये नंबर उठाये ही नहीं जाते हैं। अगर इन नंबरों पर जनता के हित में उपयोग नहीं हो रहा है तो इस योजना को बंद कर देना चाहिए और संबंधित अधिकारियों से व्यक्तिगत नंबरों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए ताकि प्रशासन व जनता के बीच संवाद बना रहे।

नाम नहीं तो काम नहीं

गौर करने वाली बात यह है कि जब हाथ में दोनो मोबाइल अधिकारी द्वारा लिये गये हैं या चेंबर की टेबिल में दोनों मोबाइल उपलब्ध है तो फिर सरकारी नंबर में किया गया काल क्यों रिसीव नहीं किया जाता। यहां पर बता दे कि अधिकारियों के मोबाइल में अगर मोबाइल मे अगर कोई नया नंबर या अननोन नंबर आता है। तो उसे रिसीव करने में अधिकारी को बहुत तकलीफ होती है। इसी से स्पष्ट होता है कि मोबाईल में फीड किया गया नाम ही अधिकारी रिसीव करते हैं।

लैंडलाइन की हकीकत

यहां पर मोबाइल के अलावा सरकारी दफ्तरों में अभी भी बीएसएनएल के लैंडलाइन नंबर यदाकदा चालू मिल जाते हैं। खासकर जिले के सक्षम अधिकारियों के कार्यालयों में लैंडलाइन नंबरों का उपयोग देखा जा रहा है लेकिन इन नंबरों पर भी अगर कोई जरूरतमंद संपर्क करना चाहता है तो मोबाइल सेट पर यही आवाज आती है कि यह नंबर स्थायी रूप से बंद हो चुका है। इसमें कितनी सच्चाई है यह तो जांच का विषय है लेकिन जिले में एक भी लैण्डलाइन नंबर काम का नहीं है इसलिए कोई भी जयरूरतमंद लैण्डलाइन नंबर में संपर्क करना उचित नहीं समझता। भले ही संबंधित नंबर चालू स्थिति मे हो।